

आनंद भास्कर

PRGI No: TNMUL/25/A1387 www.anandabhaskar.com नया भोर नयी खबर

वर्ष-10 अंक-203 10.11.2106 FREE EPAPER

संक्षिप्त समाचार

दिल्ली चावड़ी बाजार हादसे में मरने वालों की संख्या हुई 3, जिंदगी और मौत के बीच लड़ रहे दो लोग

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के चावड़ी बाजार इलाके में तीन मंजिला इमारत ढहने से हुए हादसे में मरने वालों की संख्या तीन हो गई है।



रेस्क्यू ऑपरेशन के दौरान, मलबे से एक और शव मिला है। मरने वाले की पहचान पंकज शर्मा (40 वर्ष) निवासी गांव हनुमान नगर, जिला खगड़िया, बिहार के रूप में हुई है। बताया गया कि मलबे से तीन शव और दो घायलों को बाहर निकाला गया है। दोनों घायल लोगों का इलाज चल रहा है। हालांकि, उनकी हालत स्थिर है। मौके पर अभी भी रेस्क्यू ऑपरेशन चल रहा है। अधिकारियों ने बताया कि पुरानी दिल्ली के हौज काजी इलाके में तीन मंजिला इमारत गिरने की घटना में शनिवार को मरने वालों की संख्या तीन हो गई, बचाव अभियान के दौरान मलबे से एक और मजदूर का शव मिला है। उन्होंने बताया कि मौके पर करीब 48 घंटे के ऑपरेशन के बाद, मलबे से तीन शव निकाले जा चुके हैं। इनके अलावा दो घायलों का इलाज चल रहा है। चावड़ी बाजार मेट्रो स्टेशन के पास गली सितारा में बन रही बिल्डिंग गुरुवार सुबह करीब 9.45 बजे गिर गई थी। पुलिस डिप्टी कमिश्नर (सेंट्रल) रोहित राजबीर सिंह ने बताया कि जब तीन मंजिला बिल्डिंग गिरी, तब कंस्ट्रक्शन साइट पर करीब 10 से 15 मजदूर मौजूद थे।

दिल्ली के 842 करोड़ के घोटाले में अब फर्जी निदेशक भी जांच के घेरे में

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली स्वास्थ्य विभाग के 842 करोड़ के उपकरण और दवा खरीद घोटाले



में मुख्य आरोपित राजीव रंगीला के बाद अब वे लोग भी जांच के घेरे में हैं, जिनके नाम पर उसने फर्जी कंपनियां बनाई थीं। इन कंपनियों के मार्फत कर्मचारियों और घरेलू सहायकों को कागजों पर निदेशक बनाकर सरकारी टेंडर हासिल किए गए और करोड़ों का भुगतान कराया गया। अब तक की जांच और आरोपपत्र के अनुसार इस तरह बनाई गई रंगीला की पांच प्रमुख कंपनियों को करीब 839 करोड़ का भुगतान होने का पता चला है। दिल्ली स्वास्थ्य विभाग के सूत्रों के अनुसार एम साहिब एंड संस के सुनील कुमार और लक्ष्मण सिंह की भूमिका के साथ दूसरी कंपनियों से हुए वित्तीय लेनदेन की भी पड़ताल की जा रही है। पता लगाया जा रहा है कि जिन लोगों को कंपनियों का निदेशक बनाया गया था, उन्हें अपने नाम पर चल रहे कारोबार, सरकारी टेंडर और करोड़ों के भुगतान की जानकारी थी या नहीं। इन कंपनियों के वास्तविक संचालक कौन थे और टेंडर हासिल करने से लेकर भुगतान लेने तक की पूरी प्रक्रिया कौन संभाल रहा था, इसकी भी जांच की जा रही है। आरोप है कि रंगीला ने अपने कर्मचारियों और घरेलू सहायकों के दस्तावेजों का इस्तेमाल कर कंपनियां बनाई और उनके माध्यम से सरकारी खरीद और सप्लाई के ठेके हासिल किए। बताया गया है कि एम साहिब एंड संस प्राइवेट लिमिटेड के सुनील कुमार और लक्ष्मण सिंह जांच के केंद्र में हैं। जांच एजेंसी कंपनी की खरीद गतिविधियों, एफ-मेड डिवाइसेज सहित दूसरी कंपनियों के साथ उसके कारोबारी संबंधों और वित्तीय लेनदेन को खंगाल रही है। पता लगाया जा रहा है कि इन लोगों को कंपनी के वास्तविक कारोबार की कितनी जानकारी थी और उन्हें किसी तरह का आर्थिक लाभ मिला था या नहीं। इस मामले में रंगीला के पूर्व कर्मचारी ज्ञान चंद का मामला भी जांच एजेंसी के सामने आया है। आरोप है कि उनके दस्तावेजों का दुरुपयोग कर उन्हें एक कंपनी का निदेशक बनाया गया था रंगीला की पांच प्रमुख कंपनियों को हुए करीब 839 करोड़ रुपये के भुगतान के बाद अब पता लगाया जा रहा है।

15 लाख रोजगार का अनुमान

29 साल बाद पूरी होगी दिल्ली के इंडस्ट्रियल एरिया की योजना, 920 एकड़ में होगा विकास

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के कंझावला में प्रस्तावित औद्योगिक क्षेत्र को विकसित करने की योजना करीब 29 साल बाद अब जमीन पर उतरने की उम्मीद जगी है। वर्ष 1997 में तत्कालीन भाजपा सरकार ने इस परियोजना की रूपरेखा तैयार की थी, लेकिन कांग्रेस और आम आदमी पार्टी की सरकारों के कार्यकाल में यह योजना आगे नहीं बढ़ सकी। अब दिल्ली में फिर से भाजपा की सरकार बनने के बाद करीब 920 एकड़ में प्रस्तावित इस औद्योगिक क्षेत्र के विकास की प्रक्रिया शुरू करने की कवायद तेज हुई है। पहली बार जमीन की चारदीवारी के निर्माण के लिए टेंडर जारी किया



गया है। दिल्ली राज्य औद्योगिक एवं आधारभूत संरचना विकास निगम (डीएसआईआईडीसी) ने इसके विकास की प्रक्रिया तेज करते हुए 21.71 करोड़ रुपये का टेंडर जारी किया है। इसमें चारदीवारी, सुरक्षा द्वार, सूचना बोर्ड और सुरक्षा कक्ष का निर्माण शामिल है। कांझावला में विकास केंद्र बनाने की योजना 1997 में शुरू करने का निर्णय हुआ था। इसके लिए भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया 2005 में शुरू हुई मगर आगे नहीं बढ़ सकी। बाद में 2008 में अधिग्रहण का आदेश जारी हुआ, लेकिन किसान इसके विरोध में आ गए। भूमि के मालिकाना हक, चकबंदी और मुआवजे से जुड़े विवाद अदालतों तक पहुंचे। इस परियोजना को लेकर करीब 30 याचिकाएं दिल्ली हाई कोर्ट में लगाई गईं। जिससे परियोजना को आगे बढ़ाने में विलंब हुआ। अधिकारियों की मानें तो उसके बाद परियोजना को लेकर अड़चनें दूर कर ली गई थीं।

रिपोर्ट छह महीने में देने की बात कही

मई 2023 में उपराज्यपाल की मंजूरी के बाद 920 एकड़ में औद्योगिक क्षेत्र विकसित करने की प्रक्रिया शुरू कर गई थी। इसी समय डीएसआईआईडीसी ने परियोजना के बेहतर उपयोग और व्यावसायिक संभावनाओं का आकलन करने के लिए सलाहकार नियुक्त करने की प्रक्रिया शुरू की थी। सलाहकार को बाजार की मांग, निवेशकों की रुचि, संभावित उद्योगों और आर्थिक माडल का अध्ययन करना था। रिपोर्ट छह महीने में देने की बात कही गई थी। मगर सह सब प्रक्रिया आगे नहीं बढ़ सकी। उस समय इस परियोजना से जुड़े रहे एक वरिष्ठ अधिकारी बताते हैं कि उस समय परियोजना के आगे नहीं बढ़ने का प्रशासनिक कारण रहा।

नकली नोट खपाने की फिराक में दिल्ली पहुंचे बिहार के 2 शातिर दबोचे, पुलिस खंगाल रही सप्लायर का नेटवर्क

नई दिल्ली, एजेंसी। एक लाख रुपये की नकली करेंसी देकर 25 से 30 हजार रुपये की असली रकम लेने की तैयारी में दिल्ली पहुंचे बिहार के दो युवकों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। सेंट्रल डिस्ट्रिक्ट की पहाड़गंज थाना पुलिस ने नकली नोटों की सप्लाई करने वाले नेटवर्क का भंडाफोड़ किया। आरोपितों की पहचान मुजफ्फरपुर निवासी दिनेश कुमार झा और सतीश कुमार के रूप में हुई है। इनके पास से कुल 2,65,100 रुपये की नकली भारतीय करेंसी बरामद की गई।पुलिस के मुताबिक, दोनों नई दिल्ली रेलवे स्टेशन के सामने नीलम गेस्ट हाउस में ठहरे थे और नकली नोटों के खरीदार तलाश रहे थे। 5 नवंबर को संगठराशन पुलिस चौकी प्रभारी एसआई एसएन ओझा को सूचना मिली कि पहाड़गंज में दो युवक नकली करेंसी की सप्लाई और उसे बाजार में चलाने की कोशिश में हैं।



एसएचओ और एसीपी की निगरानी में गठित टीम ने गेस्ट हाउस में छापा मारकर दोनों को पकड़ लिया। वहीं, तलाशी में दिनेश के पास से 2,45,100 रुपये और सतीश के पास से 20 हजार रुपये के नकली नोट मिले। इनमें 500, 200, 100 और 50 रुपये के नोट शामिल हैं। नोटों की जांच के लिए क्राइम टीम और एफएसएल को बुलाया गया।

पूछताछ में दोनों ने बताया कि वे नकली नोट बेचने दिल्ली आए थे और एक लाख रुपये की नकली करेंसी के बदले 25 से 30 हजार रुपये असली लेने की योजना थी। पुलिस कार्रवाई से पहले उन्हें कोई खरीदार नहीं मिला। उनके मुताबिक, नकली नोट उन्हें मुजफ्फरपुर के एक व्यक्ति से मिले थे। पुलिस ने बताया कि दिनेश झा वर्ष 2023 में पटपड़गंज औद्योगिक क्षेत्र थाने में नकली करेंसी के मामले में आरोपित रह चुका है। पुलिस सप्लायर, नोटों के स्रोत और नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की तलाश कर रही है।

पटाखों की सेल पर सुप्रीम कोर्ट की समयसीमा खत्म, वैध दुकानदारों ने बंद की दुकानें; अवैध आधी रात तक करते रहे बिक्री

नईदिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट की विशेष अनुमति के बाद दिल्ली में तीन दिनों तक चली पटाखों की सीमित बिक्री का दौर शुक्रवार को संपन्न हो गया। बिक्री के अंतिम दिन पटाखा दुकानों पर खरीदारों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। खासकर जामा मस्जिद के क्षेत्र पाईवालान की पटाखा दुकानों पर मध्य रात्रि तक लोगों का तांता लगा रहा। लोग अंतिम मौके पर अपनी जरूरत के पटाखे खरीदने के लिए दुकानों पर पहुंचे, जिससे जामा मस्जिद के पाईवालान समेत दिल्ली भर के अधिकृत दुकानों पर खूब चहल-पहल देखने



को मिली। एक तरफ जहां लाइसेंस धारी दुकानदारों ने तय नियमों के तहत अपनी दुकानें संचालित कीं, वहीं दूसरी ओर उन दुकानों के बाहर के साथ ही सदर बाजार, भागीरथ पैलेस, चांदनी चौक, करोलबाग समेत अन्य स्थानों पर अवैध रूप से पटाखों की बिक्री ने चिंता बढ़ाई है। स्थिति यह कि अकेले पाईवालान इलाके में 50 से अधिक रेहड़ी-पटरी वाले खुलेआम और बेखौफ होकर पटाखे बेचते नजर आए। हैरानी की बात यह रही कि इन अवैध विक्रेताओं को रोकने या टोकने वाला कोई जिम्मेदार प्रशासनिक अमला वहां मौजूद नहीं था। चिंता कि बात यह कि इन अवैध ठिकानों पर बिक रहे सामान की कोई जांच नहीं हो रही थी।

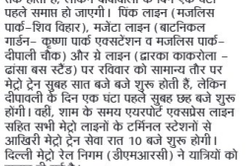
पेंशनभोगियों के लिए बड़ी पहल, देशभर में शुरू हुआ डिजिटल लाइफ सर्टिफिकेट अभियान

नई दिल्ली, एजेंसी। विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी और पृथ्वी विज्ञान राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डॉ. जितेंद्र सिंह ने शुक्रवार को राष्ट्रव्यापी 'डिजिटल लाइफ सर्टिफिकेट अभियान 5' की शुरुआत की. इस अभियान के पहले पांच दिनों में लगभग 40 लाख डिजिटल लाइफ सर्टिफिकेट जारी किए गए, जबकि पिछले साल इसी अवधि में लगभग 25 लाख सर्टिफिकेट जारी हुए थे. इस तरह, इसमें 60 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है. कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन मंत्रालय के अनुसार, इसी अवधि के दौरान फेस ऑथेंटिकेशन (चेहरे से पहचान करने की तकनीक) का उपयोग 61 प्रतिशत से बढ़कर लगभग 80 प्रतिशत हो गया है. यह दर्शाता है कि पेंशनभोगियों का तकनीक-आधारित पेंशन सेवाओं पर भरोसा बढ़ रहा है. डॉ. सिंह ने कहा कि लोगों की ओर से मिली यह शानदार प्रतिक्रिया दिखाती है कि किस तरह डिजिटल नवाचार पेंशनभोगियों के जीवन को आसान बना रहा है, और साथ ही बुजुर्ग नागरिकों के लिए शासन व्यवस्था को अधिक सुलभ, सुविधाजनक और सम्मानजनक बना रहा है. डॉ. सिंह ने बताया कि यह अभियान धीरे-धीरे एक राष्ट्रव्यापी आंदोलन का रूप ले चुका है. इसमें सरकारी विभाग, पेंशन बांटने वाले बैंक, पेंशनभोगी संघ और परिवार एक साथ आए हैं, ताकि पेंशन से जुड़ी सेवाएं बिना किसी रुकावट के मिल सकें. डॉ. सिंह ने स्पष्ट किया कि इस अभियान का मुख्य उद्देश्य बुजुर्ग नागरिकों के जीवन को आसान बनाना है. उन्होंने कहा कि भारत की बदलती जनसांख्यिकीय और सामाजिक-आर्थिक स्थिति को देखते हुए, समाज में पेंशनभोगियों का महत्व लगातार बढ़ रहा है. वर्तमान में केंद्र सरकार के पेंशनभोगियों की संख्या लगभग 70 लाख हो गई है, जबकि काम करने वाले कर्मचारियों की संख्या लगभग 50 लाख है. यह स्थिति पहले से बिल्कुल उलट है. पहले काम करने वाले कर्मचारियों की संख्या लगभग 55 से 60 लाख थी और पेंशनभोगियों की संख्या लगभग 50 लाख थी. मंत्री ने कहा कि जीवन प्रत्याशा (औसत आयु) में वृद्धि और बेहतर स्वास्थ्य स्थितियों ने वरिष्ठ नागरिकों के अनुभव, विशेषज्ञता और क्षमता का उपयोग राष्ट्र-निर्माण के लिए करने का एक नया अवसर पैदा किया है. कई कर्मचारी 60 साल की उम्र में सेवानिवृत्त हो जाते हैं, जबकि उस समय वे अपने स्वास्थ्य, अनुभव और पेशेवर क्षमताओं के सर्वोत्तम स्तर पर होते हैं.बुजुर्ग नागरिकों के आराम, स्वास्थ्य और वित्तीय सुरक्षा को सुनिश्चित करना हर उन्हें राष्ट्र-निर्माण के कार्यों में सक्रिय रूप से शामिल किया जाना चाहिए।



दीवाली पर देहली मेट्रो की टाइमिंग में बदलाव, रात 10 बजे चलेगी आखिरी ट्रेन

नई दिल्ली, एजेंसी। दीपावली के दिन सभी लाइनों के टर्मिनल स्टेशनों से अंतिम मेट्रो ट्रेन रात 10 बजे चलेगी। सामान्य दिनों में अंतिम सेवा रात 11 बजे



तक होती है, लेकिन दीपावली के दिन एक घंटा पहले समाप्त हो जाएगी। पिंक लाइन (मजलिस पार्क-शिव विहार), मजेंटा लाइन (बाटानिकल गार्डन- कृष्णा पार्क एक्सटेंशन व मजलिस पार्क-दीपाली चौक) और ये लाइन (द्वारका काकरोला - ढांसा बस स्टैंड) पर रविवार को सामान्य तौर पर मेट्रो ट्रेन सुबह सात बजे से बजे शुरू होती है, लेकिन दीपावली के दिन एक घंटा पहले सुबह छह बजे शुरू होगी। वहीं, शाम के समय एयरपोर्ट एक्सप्रेस लाइन सहित सभी मेट्रो लाइनों के टर्मिनल स्टेशनों से आखिरी मेट्रो ट्रेन सेवा रात 10 बजे शुरू होगी। दिल्ली मेट्रो रेल निगम (डीएमआरसी) ने यात्रियों को सलाह दी गई है।

दिल्ली में वोटर लिस्ट में नाम नहीं आया तो न हों परेशान, आयोग से आया नया रास्ता; 47.56 लाख वोटर्स को मिला एक और मौका

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के दौरान अनुपस्थित, स्थानांतरित, मृत और दोहरे नाम (एएसडीई) की श्रेणी में रखे जाने के कारण जिन लोगों के नाम मसौदा मतदाता सूची में शामिल नहीं हो सके थे, उन्हें अब नाम जुड़वाने का एक और मौका मिलेगा। निर्वाचन आयोग ने ऐसे लोगों को दोबारा गणना प्रपत्र भरकर अंतिम मतदाता सूची में नाम शामिल कराने की अनुमति देने का निर्णय लिया है। आयोग ने स्पष्ट किया है कि जो लोग पहले ही नाम जुड़वाने के लिए प्रपत्र-6 भरकर जमा कर चुके हैं, उन्हें दोबारा गणना प्रपत्र देने की जरूरत नहीं होगी। उनके आवेदनों पर तीन नवंबर को जारी आयोग के निर्देशों के अनुसार कार्रवाई की जाएगी। इस नई व्यवस्था को लागू करने की प्रक्रिया तैयार की जा रही है।

इसके लिए ऐसे मतदाताओं को अपने विधानसभा क्षेत्र के निर्वाचक पंजीकरण अधिकारी या सहायक निर्वाचक पंजीकरण अधिकारी के पास आवेदन करना होगा। दिल्ली के मुख्य निर्वाचन अधिकारी का कार्यालय एक सलाह के भीतर आवेदन लेने और जमा करने का विस्तृत शेड्यूल जारी करेगा। एएसडीई सूची में शामिल लोगों के



अधूरे गणना प्रपत्र दोबारा तैयार किए जाएंगे। संबंधित मतदाता अपने पुराने मतदाता पहचान पत्र संख्या के जरिये निर्वाचन आयोग की वेबसाइट या ईसीआईनेट मोबाइल ऐप से भी प्रपत्र डाउनलोड कर सकेंगे। बूथ स्तर अधिकारी राजनीतिक दलों के बूथ स्तर प्रतिनिधियों के साथ मिलकर ऐसे लोगों से संपर्क करेंगे। इसके लिए घर-घर जाकर जानकारी जुटाने के साथ परिवार के सदस्यों, पड़ोसियों और आरडब्ल्यूए की भी मदद ली जाएगी। जिन लोगों ने अपना पता नहीं बदला है, वे हस्ताक्षर किया हुआ गणना प्रपत्र अनुबंध-बी के साथ जमा कर सकेंगे। इसमें उन्हें यह बताना होगा कि पहले गणना प्रपत्र क्यों जमा नहीं कर पाए थे। इसे बूथ स्तर अधिकारी, निर्वाचक पंजीकरण अधिकारी या सहायक निर्वाचक पंजीकरण अधिकारी के पास स्वयं अथवा परिवार के किसी सदस्य के माध्यम से जमा किया जा सकेगा।ईसीआईनेट ऐप पर हस्ताक्षर करके आनलाइन जमा करने की सुविधा भी मिलेगी। दिल्ली के भीतर ही पता बदलने वाले मतदाताओं को अलग से पता परिवर्तन प्रपत्र-8 भरने की जरूरत नहीं होगी। वे नए पते और विधानसभा क्षेत्र की जानकारी के साथ अनुबंध-सी भरकर संबंधित अधिकारी को जमा कर सकेंगे। इसके साथ नए पते का प्रमाण देना होगा। बेघर लोगों के पास कोई दस्तावेज नहीं होने की स्थिति में बूथ स्तर अधिकारी की मौके पर जांकर तैयार की गई सत्यापन रिपोर्ट को पते के प्रमाण के रूप में स्वीकार किया जाएगा। दिल्ली में कुल 1,45,10,299 मतदाताओं के लिए गणना प्रपत्र भरने और जमा करने की प्रक्रिया पूरी की गई थी। 31 अगस्त को जारी मसौदा मतदाता सूची में 97,53,577 मतदाताओं के नाम शामिल किए गए थे, वहीं 47,56,722 लोगों को एएसडीई श्रेणी में रखा गया था।

पटाखे जलाते समय सतर्क रहने की दी सलाह

दीवाली के मौके पर हाई अलर्ट पर दिल्ली एम्स

नई दिल्ली, एजेंसी। दिवाली पर थोड़ी सी लापरवाही खुशियों को गंभीर हादसे में बदल सकती है। पटाखों से हाथ व आंखों में चोट, दीये व मोमबत्तियों से जलने तथा नशे में वाहन चलाने से सड़क दुर्घटनाओं का खतरा बढ़ जाता है। एम्स ने दिवाली और त्योहारी सीजन के दौरान अपनी इमरजेंसी सेवाओं को हाई अलर्ट पर रखा है। एम्स के प्लास्टिक, रिकंस्ट्रक्टिव एवं बर्न्स सर्जरी विभाग के प्रमुख प्रो. डा. मनीष सिंघल ने लोगों को सुरक्षित दिवाली मनाने की सलाह दी है। कहाकि दिवाली खुशियों का त्योहार है, दर्द का नहीं।

एम्स की चिकित्सा अधीक्षक डा. निरुपम मदान के अनुसार दिवाली के मद्देनजर बर्न्स एवं प्लास्टिक सर्जरी इमरजेंसी, ट्रामा सेंटर, मुख्य अस्पताल की इमरजेंसी और आरपी सेंटर की इमरजेंसी को तैयार रखा गया है। सभी विभागों में डाक्टरों की ड्यूटी का रोस्टर व्यवस्थित किया गया है। ऑन-कॉल फैकल्टी



को शहर में उपलब्ध रहने के निर्देश दिए गए हैं, ताकि आवश्यकता पड़ने पर वे तत्काल अस्पताल पहुंचकर जिम्मेदारी संभाल सकें। दिवाली में जलने की चोटों, शराब के नशे में वाहन चलाने से होने वाली सड़क दुर्घटनाओं और आंखों की चोटों के मामले आने की आशंका रहती है। इसे देखते हुए इमरजेंसी के सभी क्रैश कार्ट और चिकित्सा उपकरणों की दोबारा जांच की गई है। कभी हाथ में पकड़कर न जलाएं। बच्चों को अकेले पटाखे न जलाने दें। बड़ों की निगरानी में ही पटाखे जलवाएं। पटाखे खुली जगह पर जलाएं और पास में पानी से भरी बाल्टी रखें।

पोटाश पटाखा गन का इस्तेमाल बिल्कुल न करें। इससे गंभीर चोट लग सकती है।

सिंथेटिक कपड़ों के बजाय सूती कपड़े पहनें।

दीये और मोमबत्ती जलाते समय भी रहें सतर्क

दीये और मोमबत्तियां दरवाजों, सीढ़ियों और आने-जाने के रास्तों में न रखें।

पर्दे, सोफे और कागज जैसी ज्वलनशील वस्तुओं से दूर रखें।

ढीले कपड़े पहनकर पटाखे न जलाएं।

जलने पर 15-20 मिनट तक बहते पानी से करें ठंडा घी, तेल, टूथपेस्ट या कोई घरेलू पदार्थ न लगाएं। प्रभावित हिस्से को साफ कपड़े से ढकें। गंभीर जलन होने पर तत्काल अस्पताल पहुंचें। पटाखे से आंख में चोट लगने पर रगड़ें और तुरंत चिकित्सकीय सहायता लें।

दिल्ली में हार्ट अटैक से हुई थी क्लास 3 की छात्रा की मौत, धनतेरस पर घर पहुंचा 9 साल की उन्नति का शव; बेसुध हुईं मां

नईदिल्ली, एजेंसी। मयूर विहार फेज-दो स्थित लवली हेरिटेज पब्लिक स्कूल में बुधवार, 4 नवंबर को नौ वर्षीय छात्रा उन्नति की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। शुक्रवार को जीटीबी अस्पताल में मेडिकल बोर्ड द्वारा बच्ची के शव का पोस्टमार्टम किया गया। जीटीबी अस्पताल के डॉक्टरों के अनुसार, पोस्टमार्टम की शुरुआती रिपोर्ट में बच्ची की मौत का कारण हार्ट अटैक आया है। हालांकि, यह अभी स्पष्ट नहीं हो पाया है कि बच्ची को पहले से कोई स्वास्थ्य संबंधी बीमारी थी या नहीं। इस बात की पुष्टि के लिए अभी और समय लग रहा है। पोस्टमार्टम की प्रक्रिया पूरी होने के बाद पांडव नगर थाना पुलिस ने शव परिजनों को सौंप दिया है। मामले की जांच कर रही पुलिस का कहना है कि शुरुआती जांच में स्कूल की कोई लापरवाही सामने नहीं आई है। वहीं, मृतका के पिता विकास ने पुलिस की इस कार्रवाई पर असंतोष जताया है। उनका आरोप है कि स्कूल प्रशासन ने समय पर सही कदम नहीं उठाया और बच्ची को पास के अस्पताल ले जाने के बजाय दूर स्थित अस्पताल में भर्ती कराया। परिजनों ने स्कूल के खिलाफ मामला दर्ज करने की मांग की है। धनतेरस पर घर पहुंचा शव, माता-पिता का रो-रोकर बुरा हाल